* G - 0 1 5 0 3 1 *

G-015031

Seat No.________

B. A. (Sem. V) Examination

April / May - 2019

BAOOC-506 : Hindi

(Core Elective-2)

(Vishishtha Sahityakar (Mohen Rakesh) Gadhya Viddhya)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य हैं ।
(२) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में लिखिए ।

१ मोहन राकेश के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

१ मोहन राकेश के रचनात्मक वैशिष्ठ्य के बारे में लिखिए । १४

२ 'आधे–अधूरे' नाटक का कथासार लिखते हुए उसका उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । १४

अथवा

२ टिप्पणी लिखिए : १४

(१) 'आधे–अधूरे' की रंगमंचीयता ।

(२) 'आधे–अधूरे' में पारिवारिक विघटन की समस्या ।

३ 'आधे–अधूरे' नाटक के आधार पर सावित्री का चरित्रांकन कीजिए । १४

अथवा

३ संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : १४

(अ) ''मैं जानना चाहता हूँ कि मेरी क्या यही हैसियत है इस घर में कि जो जब जिस वज़ह से जो भी कह दे मैं चुपचाप सुन लिया करूँ ? हर वक्त की दुनकार, हर वक्त की कौंच, बस यही कमाई है मेरी इतने सालों की ?''

अथवा

(अ) ''चिराग और उसके बीवी–बच्चें तो नहीं मिल सकते मगर मैं ने कहा कि एक बार मकान की सूरत ही देख लू ।''

(ब) ''कई–कई दिनों के लिए अपने को उससे काट लेती हूँ । पर धीरे–धीरे हर चीज़ फिर उसी ढर्रे पर लौट आती हैं । सब कुछ फिर उसी तरह होने लगता है जब तक कि हम नये सिरे से फिर उसी खोह में नहीं पहूँच जाते ।''

अथवा

(ब) ''माँ, जब वह दुनिया बन जायेगी तो तुझे पता चलेगा कि तेरा नालायक बेटा कितना लायक है ।''

४ कहानी के तत्वों के आधार पर 'मलबे का मालिक' कहानी का मूल्यांकन कीजिए । १४

अथवा

४ टिप्पणी लिखिए : १४

(१) 'एक और जिन्दगी' का प्रकाश ।

(२) 'आद्रा' कहानी के शीर्षक की सार्थकता ।

५ सूचनानुसार कीजिए : १४

(अ) वाक्य सही (✓) है या गलत (×) बताइए :

(१) 'आषाढ़ का एक दिन' मोहन राकेश का उपन्यास है ।

(२) मोहन राकेश का जन्म अमृतसर में हुआ था ।

(३) देश के विभाजन से पूर्व ही गनीमियाँ लाहौर चले गये थे ।

(४) निर्मला प्रकाश के मित्र कृष्ण जुनेजा की बहन थी ।

(५) बचन लाली के घर खुश थी ।

(६) 'आधे–अधूरे' नाटक के अंत में महेन्द्रनाथ घर वापिस लौट आता है ।

(७) अशोक विद्रोही युवकों का प्रतिनिधि चरित्र है ।

(ब) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(१) मोहन राकेश का जीवन ..... रहा ।
(संघर्षमय, आनंदमय, प्रमोदमय)

(२) 'आधे–अधूरे' ..... नाटक है ।
(यथार्थवादी, आदर्शवादी, अहिंसावादी)

(३) रक्खा पहलवान ने ..... को मार दिया था ।
(अल्लादीन, चिरागदीन, मनोरी)

(४) बचन ..... के लिए चिंतित रहती है ।
(लाली, बिन्नी, रानी)

(५) प्रकाश और बीना में ..... हो जाता है ।
(संबंध–विच्छेद, सुलह, अपनापन)

(६) सिंधानिया ..... का बोस है ।
(बीना, बचन, सावित्री)

(७) आधे–अधूरे रंगमंच की दृष्टि से ..... नाटक है ।
(सफल, असफल, निष्फल)